दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक – काझी मकदूम शफीउद्दीन

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष - 1 ला | अंक - १३९वा | बुधवार १८ दिसंबर २०२४ | TITLE CODE : MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत २ रुपये | पन्ने - ४

संतोष देशमुख की हत्या का मास्टरमाइंड वाल्मीक कराड है, उसे गिरफ्तार करें - रोहित पवार

बीड : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक रोहित पवार ने बीड के मासाजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या की एसआईटी नहीं, बल्कि न्यायिक जांच की मांग की है। मैं इस मामले में किसी मंत्री का नाम नहीं ले रहा हूं, बल्कि जबरन वसूली करने वाले वाल्मीक कराड का नाम ले रहा हूं। ग्रामीणों का आरोप है कि संतोष देशमुख की हत्या के पीछे वाल्मीक कराड का हाथ है। उन्होंने कहा कि इसलिए उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

रोहित पवार मंगलवार को मासाजोग गए और पीड़ित परिवारों से मिले। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए रोहित पवार ने कहा कि 9 दिसंबर को संतोष देशमुख के साथ बहुत ही भयावह और अमानवीय घटना घटी। यह सर्वविदित है कि इस घटना में कई बड़े नाम शामिल थे। पवनचक्की परियोजना से 2 करोड़ रुपये की फिरौती मांगने के आरोप में वाल्मीक कराड के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वाल्मीक कराड इसके पीछे का मास्टरमाइंड है। उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उसके सभी फोन कॉल्स की जांच होनी चाहिए।

एसआईटी नहीं, न्यायिक जांच कराइए।

इस मामले की न्यायिक जांच की आवश्यकता है। क्योंकि, इससे पहले कोंकण में एक पत्रकार की हत्या कर दी गई थी। उसके बाद महाराष्ट्र भूषण कार्यक्रम में भी 16 लोगों की मौत हो गई। बीड में दंगे भड़क उठे। इन सभी मामलों में एसआईटी गठित की गई। लेकिन उनकी रिपोर्ट पर कोई अद्यतन जानकारी नहीं दी गई है और न ही यह बताया गया है कि उस पर क्या कार्रवाई की गई। इसलिए उन्होंने कहा कि इस मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए और इसकी रिपोर्ट जनता के सामने पेश की जानी चाहिए।

वाल्मीक कराड है मास्टरमाइंड

उन्होंने आगे बताया कि 6 दिसंबर को पवनचक्की परियोजना क्षेत्र में विवाद हुआ था। पुलिस ने इस विवाद की साधारण शिकायत भी नहीं ली। इस घटना के दो दिन बाद संतोष देशमुख की हत्या कर दी गई। इस हत्या के बाद वाल्मीक कराड के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज किया गया है। इस जबरन वसूली मामले के नाम इस हत्या मामले के नामों से ही मिलते-जुलते हैं। अतः यह स्पष्ट है कि इस सबका मास्टरमाइंड वाल्मीक कराड ही है। मैं इस मामले में किसी मंत्री का नाम नहीं ले रहा हूं, बल्कि फिरौती मांगने वाले आरोपी वाल्मीक कराड का नाम ले रहा हूं। अगर पुलिस ने समय रहते कार्रवाई की होती तो यह हत्या नहीं होती। ग्रामीणों का आरोप है कि संतोष देशमुख की हत्या के पीछे वाल्मीक कराड का हाथ है। यदि ऐसा है तो उसे तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। वर्तमान मामले में केवल एसआईटी नियुक्त करने से न्याय प्राप्त नहीं होगा।

"पात्र महिला खिलाड़ियों को प्रशासन में सीधे नियुक्ति दी जाए"

सांसद सोनवणे ने केंद्रीय खेल मंत्री के समक्ष मुद्दा उठाया

बीड, 16 दिसंबर (संवा ददाता): स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तहत लगातार तीन वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाली महिला खिलाड़ियों को पहले कक्षा-1 पदों पर सीधी नियुक्ति दी जाती थी। लेकिन पिछले दस वर्षों से ऐसी कोई नियुक्ति नहीं हुई है। सांसद बजरंग सोनवणे ने केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और खेल राज्यमंत्री रक्षा खडसे को ज्ञापन सौंपकर पात्र महिला खिलाड़ियों को "लाड़ली बहन" योजना के अंतर्गत प्रशासन में सीधी नियुक्ति देने की मांग की है।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और खेल राज्यमंत्री रक्षा खडसे को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के अंतर्गत लगातार तीन वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल खेलने वाली महिला खिलाड़ी कड़ी मेहनत से अपने राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करती हैं। इन महिला खिलाड़ियों के योगदान को मान्यता देने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए "लाड़ली बहन" योजना के तहत कदम उठाने की आवश्यकता है।

इस संदर्भ में, लगातार तीन वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाली महिला खिलाड़ियों के लिए सीधी नियुक्ति की नीति बनाई जानी चाहिए। उनकी मेहनत का सम्मान करते हुए उन्हें केंद्र या राज्य सरकार में कक्षा-1 पद दिए जाएं, ताकि उनके योगदान का उचित सम्मान हो सके और भविष्य में अधिक से अधिक महिला खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए प्रेरणा मिले। ज्ञापन में आगे त्वरित निर्णय और शीघ्र क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। इसके जवाब में खेल राज्यमंत्री रक्षा खडसे ने इस मांग को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए जल्द ही इस पर निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

"वन नेशन, वन इलेक्शन बिल असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश: उद्धव ठाकरे"

विधान भवन में उद्धव ठाकरे की मुख्यमंत्री फडणवीस से मुलाकात, कहा- छगन भुजबळ हमारे संपर्क में हैं

नागपुर, 17 दिसंबर (अज़ीज़ एजाज): शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे और उनके बेटे आदित्य ठाकरे ने आज विधान भवन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर उन्हें नई सरकार के गठन की बधाई दी। यह नई सरकार बनने के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली मुलाकात थी।

बाद में मीडिया से बात करते हुए उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र में पारदर्शी राजनीति की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, "मैं चुनाव नहीं जीत सका, वे जीत गए और उनकी सरकार बन गई। अब उम्मीद करता हूं कि जो भी फैसले लिए जाएंगे, वे महाराष्ट्र के हित में होंगे।"

हालांकि, उद्धव ठाकरे ने तंज कसते हुए कहा, "लोग उनसे पूछते रहेंगे कि उन्होंने यह चुनाव कैसे जीता?"

जब केंद्र सरकार द्वारा लाए गए "वन नेशन, वन इलेक्शन" बिल के बारे में पूछा गया तो उद्धव ठाकरे ने कहा, "'वन नेशन, वन इलेक्शन' का मुद्दा बाद में आना चाहिए। पहले चुनाव आयुक्त का चुनाव होना चाहिए। अगर राष्ट्रपति का चुनाव हो सकता है तो चुनाव आयुक्त का क्यों नहीं?"

उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि लोगों को ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) को लेकर संदेह है तो यह सरकार और चुनाव आयोग की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि उन संदेहों को दूर करें। ठाकरे ने स्पष्टता के लिए एक बार फिर बैलेट पेपर के जरिए चुनाव कराने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा, "अगर बैलेट पेपर से वही बहुमत हासिल होता है, तो कोई भी इस पर सवाल नहीं उठाएगा।"

उद्धव ठाकरे ने एक बार फिर बैलेट पेपर के माध्यम से चुनाव कराने की मांग दोहराई और दावा किया कि लोकसभा और विधानसभा के एकसाथ चुनाव कराने के लिए केंद्र का यह कदम देश के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश है।

अंत में, जब छगन भुजबळ के बारे में पूछा गया, तो उद्धव ठाकरे ने कहा, "छगन भुजबळ आज से नहीं बल्कि बहुत पहले से हमारे संपर्क में हैं।"

पारभणी और बीड़ घटनाओं पर विधानसभा में दूसरे दिन भी हंगामा

विपक्ष ने चर्चा की अनुमति न मिलने पर पूरे दिन का बहिष्कार किया

नागपुर, 17 दिसंबर (अज़ीज़ एजाज): महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी विपक्ष ने पारभणी में संविधान के उल्लंघन, बीड़ में सरपंच संतोष देशमुख की निर्मम और सनसनीखेज हत्या, ongoing कॉम्बिंग ऑपरेशन में पुलिस की बर्बरता और पुलिस हिरासत में भीम सैनिक सोमनाथ सूर्यवंशी की रहस्यमयी मौत के मुद्दों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

विपक्ष ने इन मुद्दों पर तुरंत चर्चा कराने के लिए "स्थगन प्रस्ताव" के माध्यम से जोरदार मांग की, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने इसे खारिज करते हुए कहा कि वह कल तय करेंगे कि इस मुद्दे पर चर्चा की अनुमति दी जाए या नहीं।

इस दौरान नाना पटोले (कांग्रेस) ने कहा कि आंबेडकरवादी युवा सोमनाथ सूर्यवंशी की मौत पुलिस की मारपीट के कारण हुई है। उन्होंने सवाल किया कि पारभणी में हुआ कॉम्बिंग ऑपरेशन क्या सरकार के निर्देश पर किया गया था? उन्होंने यह भी जोर दिया कि इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव को स्वीकार कर चर्चा की अनुमति दी जानी चाहिए।

वहीं, विजय वडेट्टीवार ने महायुति सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जब से यह सरकार सत्ता में आई है, मराठवाड़ा के पारभणी और बीड़ जिलों में हुई अमानवीय घटनाओं ने राज्य को शर्मसार कर दिया है। उन्होंने सवाल उठाया, "क्या महायुति ने सत्ता में आने के लिए अपराधियों को संरक्षण देने का जनादेश लिया है?"

विधानसभा अध्यक्ष द्वारा चर्चा की अनुमति न दिए जाने पर विपक्ष ने पूरे दिन की कार्यवाही का बहिष्कार करने का ऐलान किया और सदन से वॉकआउट कर

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद द्वारा बीड में मस्जिद परिचय कार्यक्रम का आयोजन

सभी धर्मों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हों: प्रो. जावेद अली खान

बीड, 17 दिसंबर (संवाददाता) – मस्जिद क्या होती है, उसका आंतरिक स्वरूप कैसा होता है, नमाज़ की व्यवस्था कैसे की जाती है और नमाज़ कैसे अदा की जाती है, इस संबंध में विस्तृत जानकारी देने के लिए जमाअत-ए-इस्लामी हिंद, बीड शाखा की ओर से "मस्जिद परिचय कार्यक्रम" का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम हिना मस्जिद, जालना रोड, बीड में आयोजित होगा, जहां इस्लामी विचारक इंजीनियर अब्दुल वाजेद कादरी (छत्रपति संभाजीनगर, औरंगाबाद) विशेष मार्गदर्शन देंगे।

भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जहां विभिन्न जातियों और धर्मों के लोग हजारों वर्षों से प्रेम और भाईचारे के साथ रहते आए हैं। हमारी संस्कृति, भाषा, जीवनशैली और खान-पान भले ही अलग-अलग हों, लेकिन हमारी एकता और अखंडता इसी विविधता में निहित है।

इस परंपरा को बनाए रखने, आपसी प्रेम, सहिष्णुता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ आपस के गलतफहमियां दूर करने के उद्देश्य से "मस्जिद परिचय कार्यक्रम" का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) से इस्लामी विद्वान इंजीनियर अब्दुल वाजेद कादरी मुख्य वक्ता होंगे।

यह कार्यक्रम गुरुवार, 19 दिसंबर 2024, शाम 6:00 बजे हिना मस्जिद, होटल हिना इंटरनेशनल के पीछे, जालना रोड, बीड पर आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर जमाअत-ए-इस्लामी हिंद, बीड शाखा के अध्यक्ष प्रो. जावेद अली खान ने सभी धर्मों के लोगों से आग्रह किया है कि वे अपने मित्रों और परिवार सहित इस कार्यक्रम में अवश्य भाग लें।

पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और अशफ़ाक़ुल्लाह खान का फांसी दिवस: 19 दिसंबर

आईडिया का नया नाटक - "पंडित और पठान"

मुंबई : इतिहास के पन्ने राम प्रसाद बिस्मिल और अशफ़ाक़ुल्लाह खान की गहरी दोस्ती की कहानियों से भरे पड़े हैं। बिस्मिल पहले अशफ़ाक़ के बड़े भाई रियासत खान के दोस्त थे, लेकिन बाद में वे और अशफ़ाक़ इतने करीब आ गए कि उनका रिश्ता भाईचारे से भी बढ़कर हो गया। इसी अनोखी दोस्ती पर आधारित है सादिक अंसारी द्वारा लिखा गया नाटक "पंडित और पठान," जिसे मुजीब खान ने निर्देशित किया है।

इस नाटक का प्रीमियर शो गुरुवार, 19 दिसंबर (यही वो दिन था जब इन दोनों क्रांतिकारियों को फांसी दी गई थी) को शाम 7:30 बजे शकुंतलम स्टूडियो में होगा। नाटक में बिस्मिल और अशफ़ाक़ की दोस्ती को विशेष महत्व दिया गया है। उनकी पहली मुलाकात से लेकर फांसी के फंदे तक की यात्रा मंच पर एक रोमांचक फिल्म की तरह प्रस्तुत की गई है। पूरा नाटक उर्दू शायरी से इस खूबसूरती से सजाया गया है कि दर्शक तारीफ करते नहीं थकेंगे।

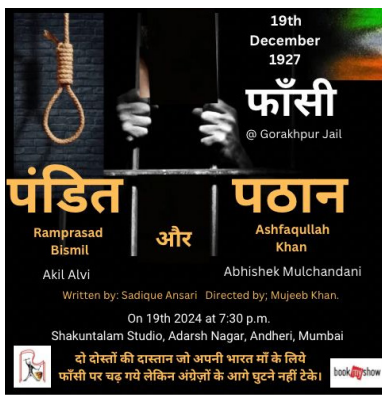

नाटक में कई ऐसे भावुक दृश्य हैं जो दर्शकों की आंखें नम कर देंगे। जैसे, अशफ़ाक़ का अपने भतीजों को पत्र लिखकर यह कहना कि वे उनके केस की कार्रवाई को पढ़ें ताकि उन्हें एहसास हो कि एक सच्चे मुसलमान के रूप में अपने वतन से कितना गहरा प्यार किया जा सकता है। इसी तरह, अपनी मां को लिखे पत्र में अशफ़ाक़ कहते हैं: "मां, मैंने सुना था कि जब अल्लाह ने मुझे आपकी गोद में दिया था, तो आपने सबको कहा था कि यह अल्लाह की अमानत है। अब अल्लाह आपसे अपनी अमानत इस देश के लिए मांग रहा है, तो आपको भी अमानत में खयानत नहीं करनी चाहिए, बल्कि देश के लिए इसे खुशी-खुशी सौंप देना चाहिए।"

इसके अलावा, एक ब्रिटिश नियुक्त मुस्लिम मजिस्ट्रेट द्वारा अशफ़ाक़ को बिस्मिल के खिलाफ भड़काने और अशफ़ाक़ का साहसिक जवाब देना, या बिस्मिल को अशफ़ाक़ के खिलाफ करने की साजिश करना और बिस्मिल का दो टूक जवाब देना – ये सभी दृश्य नाटक को बेहद रोमांचक और प्रभावशाली बनाते हैं। इन दृश्यों की तीव्रता को दर्शक अपनी कुर्सियों पर बैठे महसूस करेंगे, जैसे कलाकार मंच पर इसे जी रहे हों।

यह नाटक न केवल ऐतिहासिक घटनाओं की सच्चाई को उजागर करता है, बल्कि आधुनिक समय की मांगों को भी पूरा करता है। यह एकता और भाईचारे का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करता है, जिसे पूरे देश में दिखाए जाने की आवश्यकता है।

एक देश-एक चुनाव बिल पेश करने को लेकर वोटिंग:लोकसभा में पक्ष में 269, विरोध में 198 वोट पड़े

नई दिल्ली : केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में वन नेशन, वन इलेक्शन संविधान संशोधन बिल पेश किया। - Dainik Bhaskar

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में वन नेशन, वन इलेक्शन संविधान संशोधन बिल पेश किया।

लोकसभा में मंगलवार को एक देश, एक चुनाव के लिए 129वां संविधान (संशोधन) बिल पेश किया। बिल के लिए पहले इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग कराई गई। कुछ सांसदों की आपत्ति के बाद वोट संशोधित करने के लिए फिर पर्ची से मतदान हुआ।

बिल को पेश करने के पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 मत पड़े। इसके बाद केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसे सदन में रखा। अमित शाह ने सदन में कहा कि बिल जब कैबिनेट में आया था, तब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि इसे संयुक्त संसदीय समिति (JPC) को भेजना चाहिए। कानून मंत्री ऐसा प्रस्ताव कर सकते हैं।

सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन बिल, बीजेपी की देश में तानाशाही लाने की कोशिश है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाजपा आज एक देश-एक इलेक्शन बिल लोकसभा में पेश करते वक्त पार्टी के अनुपस्थित 20 सांसदों को नोटिस भेजेगी। पार्टी ने इन्हें सदन में मौजूद रहने के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है।

12:10 बजे केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में वन नेशन, वन इलेक्शन बिल पेश किया। विपक्षी सांसदों ने बिल का विरोध किया, जिसके बाद स्पीकर ओम बिड़ला ने बिल पेश करने को लेकर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग कराई। इसमें 369 सदस्यों ने वोट डाला।

पक्ष में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगर उनको ऑब्जेक्शन है तो पर्ची दे दीजिए। इस पर स्पीकर ने कहा कि हमने पहले ही कहा था कि अगर किसी सदस्य को लगे तो वह पर्ची के जरिए भी अपना वोट संशोधित कर सकता है। इसके बाद ज्यादा सांसदों ने वोट डाला। पक्ष में 269 लोकसभा में मौजूद सत्ता पक्ष के सांसदों ने बिल का समर्थन किया। तस्वीर में अमित शाह, राजनाथ सिंह, पीयूष गोयल, किरेन रिजिजू देखे जा सकते हैं।

लोकसभा में मौजूद सत्ता पक्ष के सांसदों ने बिल का समर्थन किया। तस्वीर में अमित शाह, राजनाथ सिंह, पीयूष गोयल, किरेन रिजिजू देखे जा सकते हैं।

सरकार ने 'एक देश, एक चुनाव' से जुड़े 2 बिल 17 दिसंबर को लोकसभा में पेश किए। पहला- संविधान (129वां संशोधन) बिल।

दूसरा-केंद्र शासित कानून (संशोधन) बिल 2024, इसके तहत पुडुचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ कराए जा सकें। इस संशोधन बिल के जरिए इन तीन एक्ट में बदलाव किया जाना है। द गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट- 1963, द गवर्नमेंट ऑफ नेशनल कैपिटल टेरिटरी ऑफ दिल्ली- 1991 और द जम्मू एंड कश्मीर रीऑर्गनाइजेशन एक्ट- 2019 शामिल हैं। 'एक देश, एक चुनाव' पर बनी रामनाथ कोविंद समिति को 47 राजनीतिक दलों ने अपनी राय दी थी। इनमें 32 दलों ने समर्थन किया था और 15 दलों ने इसका विरोध किया था। विरोध करने वाले दलों के पास 205 लोकसभा सांसद हैं। यानी बिना इंडिया गठबंधन के समर्थन के संविधान संशोधन बिल पास होना मुश्किल है।

छगन भुजबल बोले- अजित पवार ने मंत्री नहीं बनने दिया:अब कहते हैं इस्तीफा देकर राज्यसभा जाओ, क्या मैं कोई खिलौना हूं

नासिक : छगन भुजबल ने कहा कि कैबिनेट विस्तार के बाद से उन्होंने NCP प्रमुख अजित पवार से बात नहीं की है। - Dainik Bhaskar

छगन भुजबल ने कहा कि कैबिनेट विस्तार के बाद से उन्होंने NCP प्रमुख अजित पवार से बात नहीं की है।

महाराष्ट्र में बनी नई सरकार के मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने पर NCP नेता छगन भुजबल पार्टी लीडर्स से नाराज हैं। सोमवार को उन्होंने डिप्टी सीएम अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल से पूछा कि क्या मैं आपके हाथ का खिलौना हूं।

नागपुर में एक एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल करने के पक्ष में थे, लेकिन अजित पवार ने इस पर कोई फैसला नहीं किया।

छगन भुजबल ने कहा कि मैंने नासिक से लोकसभा चुनाव लड़ने का सुझाव स्वीकार किया था। जब मैं राज्यसभा में जाना चाहता था, तो मुझे विधानसभा चुनाव लड़वाया। अब 8 दिन पहले मुझे राज्यसभा सीट की पेशकश की गई, जिसे मैंने अस्वीकार कर दिया।

उन्होंने तब मेरी बात नहीं सुनी, अब वे मुझे राज्यसभा सीट दे रहे हैं। अगर मैं इस्तीफा दे दूंगा तो मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोग क्या सोचेंगे? क्या मैं आपके हाथों का खिलौना हूं? जब भी आप मुझसे कहेंगे मैं खड़ा हो जाऊंगा, जब भी आप मुझसे कहेंगे मैं बैठ जाऊंगा और चुनाव लड़ूंगा?

भुजबल ने दावा किया कि नौकरियों और शिक्षा में मराठा समुदाय के आरक्षण की मांग करने वाले मनोज जरांगे का विरोध करने के कारण उन्हें कैबिनेट से बाहर रखा गया। भुजबल ने कहा कि कैबिनेट विस्तार के बाद से उन्होंने NCP प्रमुख अजित पवार से बात नहीं की है।

लोकतंत्र में हर किसी को अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार है। मैं पता लगाने की कोशिश कर रहा हूं कि मुझे मंत्री पद के लिए किसने अस्वीकार किया। मंत्री पद आते-जाते रहते हैं। मगर मुझे खत्म नहीं किया जा सकता।

हर पार्टी में निर्णय पार्टी प्रमुख लेते हैं। जैसे देवेंद्र फडणवीस BJP के लिए और एकनाथ शिंदे शिवसेना के लिए, वैसे ही अजित पवार NCP के लिए निर्णय लेते हैं। CM फडणवीस ने जोर दिया था कि मुझे मंत्रिमंडल में शामिल किया जाना चाहिए। मैंने खुद इसकी पुष्टि की है।इससे पहले शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने भी मंत्री पद नहीं मिलने से नाराज होकर 16 दिसंबर को पार्टी के उपनेता और विदर्भ क्षेत्र के समन्वयक पद से इस्तीफा दे दिया था। भंडारा-पवनी विधानसभा क्षेत्र से 3 बार विधायक रह चुके नरेंद्र भोंडेकर ने कहा कि उनसे मंत्री पद का वादा किया गया था। लेकिन उन्हें मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली।

प्रियंका के बैग पर फिलिस्तीन के बाद आज बांग्लादेश मुद्दा:लिखा- हिंदुओं-ईसाइयों के साथ खड़े हों;

नई दिल्ली : वायनाड से लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी मंगलवार को संसद में एक बैग लेकर पहुंचीं, जिस पर 'बांग्लादेशी हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हों' लिखा था।

एक दिन पहले ही वे फिलिस्तीन को समर्थन करने वाला बैग लेकर पहुंची थीं। जिस पर फिलिस्तीन आजाद होगा लिखा था। इस पर विवाद भी हुआ था।

प्रियंका ने सवाल उठाने वालों से कहा था- मैं कैसे कपड़े पहनूंगी, इसे कोई और तय नहीं करेगा, बरसों से चल रही रूढ़वादी पितृसत्ता को मैं नहीं मानती, मैं जो चाहूंगी, वही पहनूंगी।

फिलिस्तीन का सपोर्ट करने पर पाकिस्तान सरकार में पूर्व मंत्री फवाद हसन चौधरी ने भी उनकी तारीफ में कहा कि हमारे सांसदों में इतनी हिम्मत नहीं।

पाकिस्तान की इमरान सरकार में मंत्री रहे फवाद हसन चौधरी ने फिलिस्तीन का सपोर्ट करने पर प्रियंका की तारीफ की है।

उन्होंने X पर लिखा- जवाहरलाल नेहरू जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी की पोती से हम और क्या उम्मीद कर सकते हैं? प्रियंका ने अपना कद और ऊंचा कर लिया है, यह शर्मनाक है कि आज तक किसी पाकिस्तानी सांसद ने ऐसी हिम्मत नहीं दिखाई।

लोकसभा में सोमवार को भी प्रियंका गांधी ने प्रश्नकाल में सवाल किया था। उन्होंने कहा- मैं सबसे पहले जिस मुद्दे पर चर्चा करना चाहती हूं, वह यह है कि इस

सरकार को बांग्लादेश में हिंदू और ईसाई अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, उनसे बातचीत करनी चाहिए और उनका समर्थन लेना चाहिए।

दूसरा मुद्दा यह है कि आज सेना के मुख्यालय से एक तस्वीर उतारी गई है, जिसमें पाकिस्तानी सेना भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर रही है। आज विजय दिवस है। सबसे पहले मैं 1971 के युद्ध में हमारे लिए लड़ने वाले वीर जवानों को नमन करना चाहती हूं।

प्रियंका ने कहा- बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा था, बांग्लादेश के लोगों, हमारे बंगाली भाइयों और बहनों की आवाज कोई नहीं सुन रहा था। उस समय इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं, मैं उन्हें नमन करना चाहती हूं। उन्होंने सबसे कठिन परिस्थितियों में साहस दिखाया और ऐसा नेतृत्व दिखाया जिससे देश विजयी हुआ।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से हिंदुओं के खिलाफ धार्मिक हिंसा के मामले लगातार बढ़े हैं। 'सेंटर फॉर डेमोक्रेसी, प्लुरलिज्म एंड ह्यूमन राइट्स' (CDPHR) की रिपोर्ट के मुताबिक 5 से 9 अगस्त के बीच ही बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ लूटपाट की 190 घटनाएं सामने आ गई थीं।

32 घरों में आगजनी, 16 मंदिरों में तोड़फोड़ और यौन हिंसा के 2 मामले सामने आए थे। रिपोर्ट के मुताबिक 20 अगस्त तक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के कुल 2010 मामले सामने आए। हिंदू परिवारों पर हमले के 157 और मंदिरों के अपमान के 69 मामले शामिल थे।

यूनुस सरकार ने इस्कॉन संत चिन्मय कृष्ण दास को राजद्रोह के आरोप में 25 नवंबर को गिरफ्तार किया था। चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के बाद चटगांव में हिंसा फैल गई थी। इस हिंसा में एक वकील की भी मौत हुई थी।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com